खाटू बुलाता रहे

ख्याल जब भी तुम्हारा मेरे श्याम आये,
कंपकपाते लब पर तुम्हारा नाम आये,
जब कभी ज़िक्र तेरा सुनकर आँख भर आये,
तेरी तस्वीर से लिपट कर मुझे आराम आये……

ओ बाबा इतनी कृपा मैं तेरी पाता रहु,
खाटू बुलाता रहे,
तू खाटू बुलाता रहे और मैं आता रहूं…….

भाने लगी हैं तेरे दर की गलियां,
तुम्हार्रे दरश से खिले मन की कलियाँ,
ओ बाबा दीदार तेरा यूँ ही पाता रहूं,
खाटू बुलाता रहे,
तू खाटू बुलाता रहे और मैं आता रहूं…

जबसे तेरी चौखट पे सर ये झुका है,
तबसे मेरा कोई काम ना रुका है,
ओ बाबा सर यूँ ही दर पे मैं झुकाता रहूं,
खाटू बुलाता रहे,
तू खाटू बुलाता रहे और मैं आता रहूं….

तू दे रहा है मुझे दाना पानी,
तेरा शुक्रिया माधव तेरी मेहरबानी,
ओ बाबा तेरा दिया ही बस मैं खाता रहूं,
खाटू बुलाता रहे,
तू खाटू बुलाता रहे और मैं आता रहूं…..

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/31363/title/khatu-bulata-rahe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |